अरी मेरी अंसुवन भींगी साड़ी

अरी मेरी अंसुवन भींगी साड़ी आ जाओ कृष्णा मुरारी,
एक लुप्त सुता की विनती सुन लेना कृष्णा मुरारी,
अरे सब लोग हंसे दें दें ताली आ जाओ कृष्णा मुरारी,

वो भीष्म पिता बलशाली और पांचों पति निहारी,
अरे मोहे सभी में करत उधाडी,
आ जाओ कृष्णा मुरारी,

क्या भूल गये बनवारी जब उंगली कटीं तुम्हारी,
अरे मैंने फाड़ी रेशम की साड़ी,
आ जाओ कृष्णा मुरारी,

इतना सुनकर बनवारी और छोड़ी गरूड़ संवारी,
राधा पूछें रूक्मणी पूछें तुम कहां चले बनवारी
आ जाओ कृष्णा मुरारी.....

अरे वो ग्रे बनवारी आकर के चीर बड़ाई,
अरे वो हार गये बलशाली,
आ जाओ कृष्णा मुरारी....

शीला रधुवंशी ।।। और भजन के लिए संपर्क

https://alltvads.com/bhajan/lyrics/id/6850/title/ari-meri-aswan-bhigi-saadi-aa-jao-krishan-murari

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |